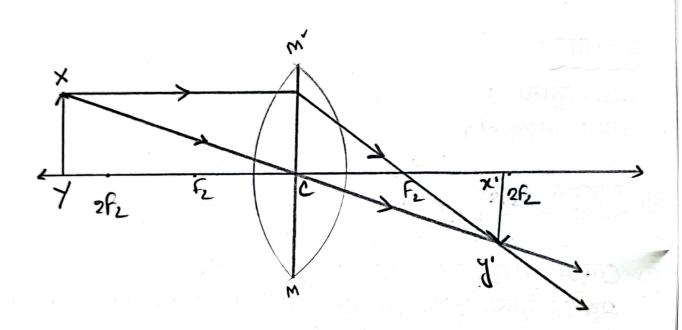
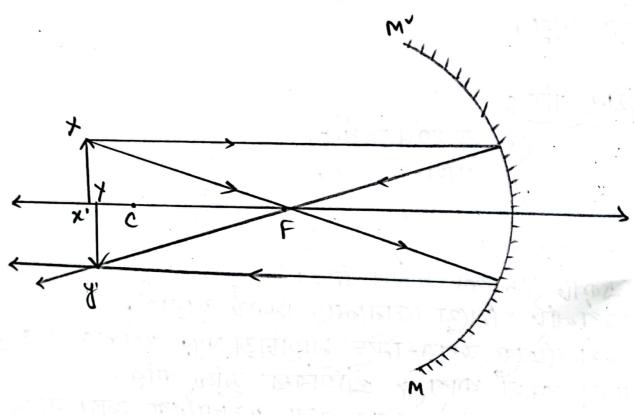
5_	2-2024				
ı – و	Name of the Experiment : উজন নেন্স ব্যবহার করে				
	Name of the Name of Exp. No.:				
	Page No.:				
6	* करें हा लिसिव स्नाम पाता स्वर्ध भिर्म स्वर्म				
٠	कर हुए जा हुन असाळिशाम वामा (वर जा हुआ है। ये भि				
	लिहि तक करि । ए पिलियं अविद्यान वाउम्ब ए एपिन किय जाएक देश ।				
	<u>पिलि</u> ग्वे क्रिकायात्र में वेळी इसे तुषाक्राया त पिष्ण वयेवडार्ट कर्षि व्यास्तिया				
	ज्यापि त्राच्यात्र वास्त्रव ए एट्ली अणिक्य अपने अ अपनेत वास्त्रव।				
	जिल्ला मिट्से जुनेवाउमेव विम्य आइरी। सम्मेव । त्यक्रित अक्योवस्मे				
	ज्यालावन विक्र ७ स्रवीन एगवनका <u>एक अंव साक्ष स्वाध्य क</u> ्वा				
	-७ ता अर्थ विस्त ना अर्थ मा अर्थ ।				
	দ্রা যান্সপাতিঃ				
	(1) TITH TOPM				
_]	(a) আদা বণগ্রে।				
7	म् काव्युव वाद्वा १				
	(त) प्रथाद्वा (अवर्गि। एउल लाग्ना निर्दे।				
	(2) ट्रान्स नियु प्रानातात भाष्ट्रम पाड़ार,				
	(3) प्रकार क्रिया कि अमत्राक्ति आप काम क्राम क्रम निस् क्रिया कि				
	यांभल चिह्न गलामं कर्				
	क विम्न अभिक वन्त्राव डामा क्लिमां कि आमल (अर्ध निर्दे।				
	हि कार्शिव क्रमिर्व निर्मिस् देविष्य क्रायवा अभिर्म विस्व				
	(श्राप्त्राप्त्र)				
	© तिकाप कामधा किया इकि अमण वर्षे में वे व वक क्षिण इकि				
	विल्यव देवर्र प्रमुख ।				
*	· •				



Name of the Experiment :	Date:					
	Exp. No.:					
	Page No.:					
क्षियं मालि इंडिंगड़ी खालि (ठर) ३ ख्राया क्षाका(यर (र) त्यं मालि क्रियं मालि इंडिंगड़ी खालियं द्यामित्र है व्यक्ति है एउं चाइदं त्यक उहे त्ये दिल्लिख मि व्यक्तिम्ब । ГСГ, पिणाण्वे ए इंकि जािला क्रिक्य ३ प्रमणेवर्ष						
					আহুৰ্যতঃ খ্ৰাব্ৰত	
					व्यक्षि : वास्त्रव क व्यक्ता ,	
					দ্র ব্যাগ্র্যারহ ফলাফল ;	
ए उम किया व	लिं अख्यात्र लिया।					
त्या विषय प्रकार्य कि व्यालाक	विभाव क्यार					
विमूर्ण भिलिष्ट प्राष्ट्र, वास्त्र छ छे।	ले। विम्य झिठन तल्ला					
अभाविष्ठ व्यवश्च क्षितं त्याकाम विष्ठ = 30 cm						
					- Call	
प्त अर्थकाराः						
चिथिषे अर्थाला लिव देन आउद्या याद्य ।     उपसे उ देन्द्र न विका प्राउद्या याद्य ।     वावर्ष कां जलिए का प्रायक्ष उड़ २० २ (व , (यन						
				अक्षृत् विम्य भाउया याग्ना		
					প্র নিতে হবে।	
ক্রিকারান্দ্রিক (জান্সর সেছনে ব	।ह्याक दाव।					
क्रि अक्रोवर्गे एथि इति इति।						
0 (127) 26 561						
, , , , , , , , , , , , , , , , , , , ,						
	,					

Name of the Experiment : তাবতন দিশন ব্যবহার Date: 15-1-23
করে প্রতিবিয়ব সূমিত ও সামনান । (Exp. No.:
Page No.:
मि तत्त्राः भाविविविधि कावल्य म्यून केवडाव लके ह्या ।
विश्व द्वार
मि ठडे त आण्यां त्यं लड़ व्यवक्ष क्रिक्ष क्राप्पांव प्रियं
, श्रीच्यामन शिष्क, जालक व्यवक्रम प्रमान वामा , व्यवक्रम
प्रभात अद्यालवाल व्यालाक्विसा प्रकृषि विमुक्त विलिक
च्या। धरे पर्णलव आश्या वाउम्ब ७ एलिए। विस्त (७वि
विद्या यादा
फिराणे शाउ है
<u>ज्ञावळल प्र</u> म्तः
(2) 24141 413137
मि वग्निवं याद्याः
ा उन्नि अवन्ते प्रांतरा
३ प्यानीप - तिथा जानानाव निकर पाष्ट्राई
3 त्रापादिक द्रमाई-एटि प्राह्मामाङ्ग वर्ष त्राप्ति सामित
-थाका आपी कामान न्याणिवस्य सुमि कर्त्
क विम्हिं कि अपसे वन्त्राव क्रम एर्नेनिविक छात् वाद्य
अंशर्ग > ००।
हि) छाद्व मद्व वकारे निर्पास पृत्व अवसे विस्व एथाए भारे
তি ত্যবাষ্ট্র স্মান্তাবিসের স্মের্গ আলিছিল। ক্যায় ।



किश् अवन्त पर्माल विम्य अविन ।

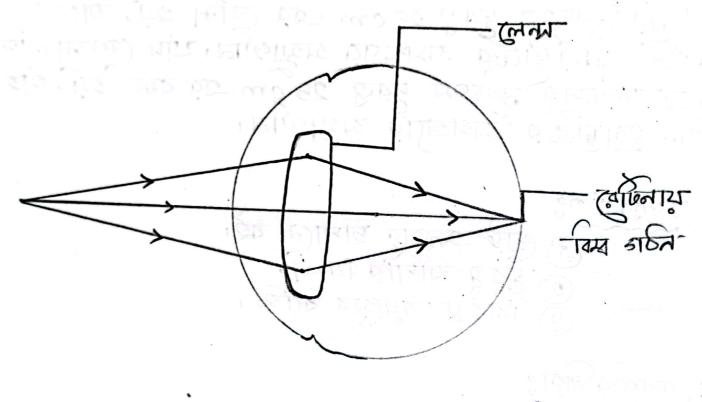
ame of the Experiment: 5MAIN 3 CNZI	Date:				
Name of the Experiment:	Exp. No.:				
	Page No.:				
	•				
मि त्यानावित्वं विश्वास्तिः					
अ अवस्थात है खेबान दिगाका छ त्वे विवाद (कल्पि।					
	2				
अ त्याका है सकाग्रेवर्क जिल्ला	214				
मि काल्यास्य यन्त्रायालः					
	1500 4 (1)				
	1इति शास वर्षित				
व्यवन्य प्रत्न वीवर्डिक इसे प्रक्रीवर्षे	অুখান্ত ব্ৰুখাৰ				
विनितं यापि ज्यास्मित उत्रशामि द	র্যার্থাবিদ্ধ প্রেবান ফোক্রা				
	गवरम (याक जाडाठ				
1000 Test					
	1 LIMO 53319 1				
वाक्य ३ ७ लिए। विस्व माठि २(१)ए	21				
<u> </u>					
<ul><li>अविधानार यथिस अयालिकि या</li></ul>	राया निया रहा ।				
(2) खाळाल पर्मनिक्कि लगाला द्वारि !	थावग यात्य ता।				
(3) वावरूण कार्यक्रिक सम् ए कर न					
यान्येच्या १ अवरे आवस्यावनाय (त					
(व) र्व्यवण्य पर्मनिष्क द्यारिक खक्याति वाथाण शव।					
ত্তি তপ্তের অত্যতা মাদিই করতে হবে।					
	•				
Date: 15-1-24					
,					

Date: Name of the Experiment : বিভিন্ন ব্যক্তি টোখের Exp. No. 18-03-24 क्ष्मित क्ष्या क्ष्य प्रवाहरण है। क्ष्य भ्यमा Page No.: प्राचार हो विक्रिया कि दिन दिन कि दिन कि विक्र कि विक्रा विषठी त्यके वोवडाधिताहारे स्थाना कानाक्षियव्ये । मे करें बाधा योक अव्यापत्र ति वेसी वाषा वसे रामि व्यथ्य नाम, जाल हार वाक्रिक अमेरी पर्मालह मुन्य प्रवेश वला प्रकारीन द्वार्गिवक वर्षक्रव अपर्य एंस्(नव देन)ण्य मृष्ष 25 cm, यां (काला वांकर असी, स्यापिं र्येप्टिमें हेंबेडी ठट ८०० एवं विक्रा क्यां वाडिल पिरोप् मिर्व अभग्राव अश्राशीत । यपि (काला वर्षक्व रमित तम्पि नेपिकम विवे रह देया उवं यभ उतं भी विष তিনি হয়। মিত্র অম্প্রতি অম্বাভান। म यम् नांकः हिए जम्मिक हामाता वर्ष पृद्ध यानीत यिने , विश्व व्याध्यव वर्षक । म कार्लि वादा है ज्यामार नियाक, अश्लाष्ट्रिक म्या (याक म्नमा नाहिज्य विकास करिय व्याहारे वन्त्रा अवन्त्रनत्व हारे यमाहि।

(न) - जिति वर्षे हिष्ण थिए या स्वाति हिष्ण अङ्ख ग्राष्ट्रना एवि वर्षुका, ह्यारे ज्यविद्या विस्तृ/ज्यवस्त्रामि विश्विण वर्षि।



## Date: 18-3-24



- 15일 159 - 스피에티디지 (전투 첫 15일) - (인기(에) 제품) 소리(15)

ांगाहा शिक्षि योगा, mo देश हिस्स

क्रिक मार्च प्रकाशिक में में के

The state Blinds During (112)

Contraction and Contraction of the

Name of the Experiment : bright Date:					
Name of the Experiment:			Exp. No.:		
	Page No.:				
अप्राव अकी शक्ति व्याप वावराव कार्त जाव कार्य विकास करें स्था कार्य कार					
🗕 এবার মার	ा स्थामा वा	বিহার ক্রিন,	जाति कार्या	रे प्रमुख्य	
नुगुज्य पुर	ত্ব বৈত্ব ক	<b>&gt;</b>		V	
	পর্মব	कार्ग हवर			
े नाद्य	विम्रक्ष	क्काउगाउँ (	नृता्र्य (	म्नाष्ट्रा पुरुष्ट्	
		र्गाउग्राइ 🕽	पृरम् श्र (मर)	(स्थिमा हाड़ा)	
ि आफि	16	-10,285	25cm /	7cm	
(2) sps	16	-1.56	(	18cm /	
(ই) ভার্মানিয়া (	16 (	-1.56	)	18cm)	
पि छेत्रास्त्रह	16	0.97	25cm	33cm)	
চি স্থ্যাত্ত	27	-8.5	25cm	8cm	
मि स्थिकाव वाउगाव प्रमुं कर्षे क्रिक प्रात्त क्षित्र मिर्च अहिका क्रिका कर्षे क्रिक व्यक्ति क्रिका आति स्थामा व्यक्तिम्थे अहिका क्षिणी क्षित्र क्रिका आति स्थामा व्यक्ति स्थित स्थान क्षित्र क्षिण विका अहि। स्थामा व्यक्ति स्थित स्थान क्षित्र क्षिण विका अहि। स्थान क्षित्र स्थान क्षित्र क्षिण विका क्षित्र विका अहि। स्थान स्थान क्षित्र स्थान क्षित्र क्षित्व विका क्षित्र विका क्षित्व विका क्षित्र विका विका क्षित्र विका विका क्षित्र विका क्षित्य क्षित्र विका क्षित्र वि					

Name of the Experiment :	Date:  Exp. No.:
Name of the Experiment	Page No.:
ন আন্দোচনাঃ  যারা ইশ্বদুন্তির সমস্যার  সমবতন চলমা ব্যবহার করেত হবে।  দুন্তির সমস্যার সমস্থান, তাবের  সমস্র তর্ম, চারজন ইশ্বদূন্তিসমন্ত্র  . Date: 18-3-24	क उत्त पीर्यपु सि